एम. ए. (हिंदी) का नया पाठ्यक्रम
(सत्र 2012–13 से आरंभ)

द्विवर्षीय एम0 ए0 (हिंदी) का शैक्षिक कार्यक्रम चार सेमेस्टर में सम्पन्न होता है। इसमें कुल 16 पाठ्यक्रम हैं, जिनमें 14 बीज पाठ्यक्रम हैं और 2 वैकल्पिक पाठ्यक्रम। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा – 70 अंक सत्रांत परीक्षा के लिए होंगे और 30 अंक संगोष्ठी/अधिन्यास/मौखिकी (एसाइनमेन्ट) कार्य के लिए।

पाठ्यक्रमों का सत्रानुसार विवरण इस प्रकार है :

एम. ए. (हिंदी) प्रथम वर्ष

पहला सत्र (पावस सत्र)

- पहला प्रश्नपत्र – आधुनिक काव्य
- दूसरा प्रश्नपत्र – कथेतर गद्य विधाएँ
- तीसरा प्रश्नपत्र – भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
- चौथा प्रश्नपत्र – हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

दूसरा सत्र (शीतकालीन सत्र)

- पांचवाँ प्रश्नपत्र – छायावादोत्तर काव्य
- छठा प्रश्नपत्र – कथा–साहित्य
- सातवाँ प्रश्नपत्र – आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
- आठवाँ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)– मूलभाषा (संस्कृत/प्राकृत/पालि/अपभ्रंश)

अथवा

आधुनिक भारतीय भाषा(बांग्ला/मराठी/कन्नड़/उर्दू/तमिल/तेलुगु)
(कोई एक)

एम0 ए0 (हिंदी) द्वितीय वर्ष

तीसरा सत्र (पावस सत्र)

- नवाँ प्रश्नपत्र – आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य
- दसवाँ प्रश्नपत्र – सगुण भक्ति काव्य
- ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र – भारतीय काव्यशास्त्र
- बारहवाँ प्रश्नपत्र – आधुनिक भारतीय साहित्य

चौथा सत्र (शीतकालीन सत्र)

- तेरहवाँ प्रश्नपत्र – रीतिकाव्य
- चौदहवाँ प्रश्नपत्र – पाश्चात्य साहित्य–सिद्धांत
- पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र – हिंदी समीक्षा
- सोलहवाँ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) – एक साहित्यकार (कबीर/जायसी/सूर/तुलसी/भारतेन्दु हरिश्चन्द्र/प्रेमचंद/प्रसाद/निराला/रामचन्द्र शुक्ल/ हजारीप्रसाद द्विवेदी/अज्ञेय/मुक्तिबोध/यशपाल/ जैनेन्द्र/ अमृतलाल नागर/दिनकर/फणीष्वरनाथ रेणु/ नागार्जुन/भीश्म साहनी/रामविलास षर्मा/नामवर सिंह)

अथवा एक साहित्यिक प्रवृत्ति(संतकाव्य/रीतिकाव्य/छायावाद /स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य/स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा–साहित्य/स्त्री अध्ययन और साहित्य/दलित अध्ययन और साहित्य/सिनेमा और हिंदी साहित्य)

अथवा एक भाषापरक या अन्य विषय (हिंदी भाषा शिक्षण/ अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग/प्रयोजनमूलक हिंदी/बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति/ हिंदी पत्रकारिता : इतिहास, सिद्धांत और प्रयोग/हिंदी नाटक एवं रंगमंच/ हिंदीतर एवं देशांतर क्षेत्रों का हिंदी साहित्य/भारतीय साहित्य/लोक साहित्य) का विशेष अध्ययन।

एम0 ए0 (हिंदी) प्रथम वर्ष
पहला प्रश्नपत्र
आधुनिक काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग	10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	ग	5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	ग	1	=	10
						70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 मैथिलीशरण गुप्त : यशोधरा (अंश : सिद्धार्थ, महाभिनिष्क्रमण)
2 जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा सर्ग)
3 निराला : अनामिका (राम की शक्तिपूजा)
4 सुमित्रानंदन पंत : तारापथ (नौका विहार, एक तारा, परिवर्तन, द्रुत झरो)
5 महादेवी वर्मा : दीपशिखा (पंथ होने दो अपरिचित, जो न प्रिय पहचान पाती,
मोम–सा तन घुल
चुका, पूछता क्यों शेष कितनी रात)
6 रामधारी सिंह दिनकर :
उर्वशी (सुकन्या–औशनरी संवाद), जनतंत्र का जन्म, समर शेष है, भारत का रेशमी नगर
(संचयिता– संपा0 रामधारी सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी, भारतीय भंडार, इलाहाबाद
2. कामायनी – एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. निराला की साहित्य साधना (तीन भाग) : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. सुमित्रानंदन पंत : डॉ. नगेन्द्र
5. छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. महादेवी वर्मा : जगदीश गुप्त, नई दिल्ली,
7. छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचन्द्र शाह, नई दिल्ली, 1973
8. छायावाद और नवजागरण : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

9. दिनकर : विजेन्द्रनारायण सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
10. मैथिलीशरण गुप्त : रेवतीरमण, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
11. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त : रामधारी सिंह दिनकर
12. क्रांतिकारी कवि निराला : डा. बच्चन सिंह
13. आत्महंता आस्था : निराला : दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. प्रसाद स्मृति वातायन : विद्यानिवास मिश्र
15. अंतरंग संस्मरणों में जयशंकर प्रसाद : सं. पुरुषोत्तम मोदी

दूसरा प्रश्नपत्र
कथेतर गद्य विधाएँ

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग' 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	'ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	'ग 1	=	10
					70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 चिंतामणि (भाग–एक) : रामचंद्र शुक्ल (निबंध –भाव या मनोविकार, करुणा, कविता क्या है)
2 अशोक के फूल : हजारीप्रसाद द्विवेदी (निबंध – बसंत आ गया है, अशोक के फूल, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)
3 स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद
4 आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश
5 आगरा बाजार : हबीब तनवीर
6 कुल्ली भाट : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

अनुशंसित ग्रंथ :

1 रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3 रामचन्द्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य – चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
5 हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली
6 पहला रंग – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7 हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
7 रंग परम्परा – नेमिचन्द्र जैन
8 जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा
9 नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली
10 हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ0 नर्वदेश्वर राय, हिंदी ग्रंथ कुटीर, पटना
11 समकालीन हिन्दी निबंध – कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
12 जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि, रा. ना. वि. नयी दिल्ली
13 जयशंकर प्रसाद : रंगसृष्टि, रा. ना. वि. नयी दिल्ली

14 रंग हबीब – भारतरत्न भार्गव,
15 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल –रामचन्द्र तिवारी
16 निराला– रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
17 समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना – गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
18 मोहन राकेश – आभा गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
19 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और समकालीन आलोचक – रामचन्द्र तिवारी
20 नाटक और रंग परिकल्पना – डॉ. गिरीश रस्तोगी
21 हिन्दी निबंध और निबंधकार– रामचन्द्र तिवारी
22 साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह
23 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

तीसरा प्रश्नपत्र
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	10	=	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	× 1	=	10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांष :

1. भाषा : परिभाषा, तत्व, अंग, और विशेषताएं। भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
2. भाषा विज्ञान– परिभाषा एवं स्वरूप, अंग, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ और प्रमुख शाखाएँ।
3. स्वनिम विज्ञान– परिभाषा, स्वन, संस्वन, स्वनिम, स्वन यंत्र, स्वन भेद, मानस्वर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, स्वनिम विज्ञान एवं स्वनिम के भेद।
4. रूपिम विज्ञान– शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व और अर्थतत्व, रूप, संरूप, रूपिमों का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण।
5. वाक्य विज्ञान– वाक्य की परिभाषा, वाक्य–रचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
6. अर्थ विज्ञान– शब्द–अर्थ–सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
7. हिन्दी भाषा का विकास– अवधी, ब्रज एवं खड़ीबोली की सामान्य विशेषतायें और उनका साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
8. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
3. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

4. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास – उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद।
5. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएं और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद।
7. भारत की भाषा समस्या – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. राजभाषा हिंदी : प्रचलन और प्रसार – डॉ0 रामेश्वर प्रसाद, अनुपम प्रकाशन, पटना।
9. नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी – अनंत चौधरी हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली।
10. समसामयिक हिंदी में रूपस्वानिमिकी – सुधाकर सिंह
11. अर्थविज्ञान एवं व्याकरण दर्षन – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
12. हिन्दी–भाशा और लिपि का ऐतिहासिक विकास – प्रो सत्यनारायण त्रिपाठी
13. लिपि, वर्तनी और भाशा – डॉ. बद्रीनाथ कपूर
14. हिन्दी भाशा, व्याकरण और रचना – डॉ. अर्जुन तिवारी
15. हिन्दी भाशा साहित्य और नागरी लिपि – डॉ. कन्हैया सिंह
16. हिन्दी भाशा (भाग–1) – डॉ. कन्हैया सिंह
17. भाशा विज्ञान की रूपरेखा– डॉ0 हरीष षर्मा

चौथा प्रश्नपत्र
हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	10 ×	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	5 ×	20	
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	× 1 =	10	

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्यिक परम्पराएं–सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की सामान्य विशेषताएं।

2. भक्ति आंदोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतः प्रादेषिक वैषिश्ट्य, भक्ति आंदोलन और हिन्दी क्षेत्र।
3. भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएं। प्रमुख निर्गुण संत, प्रमुख सगुण भक्त, हिन्दी में भक्ति कविता की मुख्य धाराएं, निर्गुण और सगुण भक्ति कविता की सामान्य विशेषताएं।
4. भारत में सूफीमत का उदय और विकास, सूफीमत के सामान्य सिद्धांत, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएं।
5. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, प्रमुख रीति कवि, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएं।
6. उर्दू साहित्य का इतिहास (1857 तक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग–एक) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. साहित्य का इतिहास–दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद।
12. प्रो0 एहतेशाम हुसैन – उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की–ए–उर्दू, ओन्यू हाउस, नई दिल्ली।
13. हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास : वशिष्ठ अनूप
14. साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयपाल सिंह
15. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ. शंभुनाथ शुक्ल
16. कबीर–वाड्.मय : रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
17. कबीर–वाड्.मय : सबद – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
18. कबीर–वाड्.मय : साखी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
19. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
20. हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. वासुदेव सिंह
21. मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
22. बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
23. रीतिकालीन वीर–काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन –डॉ. शिवनारायण सिंह
24. साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह
25. रैदास परिचई – डॉ. शुकदेव सिंह

पाँचवाँ प्रश्नपत्र
छायावादोत्तर काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग	10	= 40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	ग	5	= 20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	ग	1	= 10
					70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध (अंधेरे में)
2 आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (असाध्य वीणा)
3 प्रतिनिधि कवितायें : नागार्जुन (मेरी भी आभा है इसमें, यह तुम थीं, शासन की बंदूक, तीनों बंदर बापू के)
4 प्रतिनिधि कवितायें : शमशेर बहादुर सिंह (टूटी हुई बिखरी हुई, उषा, एक पीली शाम, लौट आ ओ धार)
5 संसद से सड़क तक : धूमिल (पटकथा)
6 तॉल्सतॉय और साइकिल : केदारनाथ सिंह (पांडुलिपियाँ, समूह गायन, बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर, ताल्सतॉय और साइकिल)

अनुशंसित ग्रंथ :

1 मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली
4 समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली
5 समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
6 समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ – रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7 अज्ञेय और नई कविता – चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
8 साहित्य और समय – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
9 कविता के नये प्रतिमान –नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
10 मिट्टी की रोशनी – अनिल त्रिपाठी, शिल्पायन, दिल्ली
11 एक कवि की नोटबुक : राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
12 कविता और समाज : अरुण कमल , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
13 मेरे समय के शब्द : केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
14 कवियों की पृथ्वी : अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, नयी दिल्ली
15 साठोत्तरी हिन्दी कविता में लोक सौन्दर्य : श्रीप्रकाश शुक्ल, लोक भारती , इलाहाबाद
16 आधुनिकता और उपनिवेश : कृष्णमोहन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
17 कवि कह गया है : अशोक वाजपेयी, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
18 कविता का जनपद : सं. अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
19 समकालीन काव्य यात्रा : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
20 कविता : पहचान का संकट : नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

पाँचवाँ प्रश्नपत्र
छायावादोत्तर काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग' 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	'ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	'ग 1	=	10
					70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध (अंधेरे में)
2 आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (असाध्य वीणा)
3 प्रतिनिधि कवितायें : नागार्जुन (मेरी भी आभा है इसमें, यह तुम थीं, शासन की बंदूक, तीनों बंदर बापू के)
4 प्रतिनिधि कवितायें : शमशेर बहादुर सिंह (टूटी हुई बिखरी हुई, उषा, एक पीली शाम, लौट आ ओ धार)
5 संसद से सड़क तक : धूमिल (पटकथा)
6 तॉल्सतॉय और साइकिल : केदारनाथ सिंह (पांडुलिपियाँ, समूह गायन, बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर, ताल्सतॉय और साइकिल)

अनुशंसित ग्रंथ :

1 मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली
4 समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली
5 समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
6 समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ – रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7 अज्ञेय और नई कविता – चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
8 साहित्य और समय – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
9 कविता के नये प्रतिमान –नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
10 मिट्टी की रोशनी – अनिल त्रिपाठी, शिल्पायन, दिल्ली
11 एक कवि की नोटबुक : राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
12 कविता और समाज : अरुण कमल , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
13 मेरे समय के शब्द : केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
14 कवियों की पृथ्वी : अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, नयी दिल्ली
15 साठोत्तरी हिन्दी कविता में लोक सौन्दर्य : श्रीप्रकाश शुक्ल, लोक भारती , इलाहाबाद
16 आधुनिकता और उपनिवेश : कृष्णमोहन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
17 कवि कह गया है : अशोक वाजपेयी, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
18 कविता का जनपद : सं. अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
19 समकालीन काव्य यात्रा : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
20 कविता : पहचान का संकट : नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

21 कविता और संवेदना : विजय बहादुर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
22 साठोत्तरी कविता : परिवर्तित दिशायें : विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान
23 धूमिल और परवर्ती जनवादी कविता : श्रीराम त्रिपाठी, रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद
24 हिन्दी की प्रगतिशील कविता : लल्लन राय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़
25 नयी कविता का समाजशास्त्र : मनोज कुमार सिंह, प्रकाशन वाराणसी
26 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
27. हिन्दी की जनवादी कविता : वशिष्ठ अनूप

छठा प्रश्नपत्र
कथा साहित्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग	10	= 40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	ग	5	= 20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	ग	1	= 10
					70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 गोदान : प्रेमचंद
2 बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3 शेखर – एक जीवनी : अज्ञेय
4 झूठा सच : यशपाल
5 कहानियाँ – कहानी संग्रह–विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
कफ़न (प्रेमचन्द), परिन्दे (निर्मल वर्मा), जिंदगी और जोंक (अमरकांत), कोसी का घटवार (शेखर जोशी), तीसरी कसम (फणीश्वरनाथ रेणु), नन्हों (शिवप्रसाद सिंह) चीफ की दावत (भीष्म साहनी),भोलाराम का जीव (हरिशंकर परसाई), घंटा (ज्ञानरंजन), कविता की नयी तारीख (काशीनाथ सिंह), धर्मक्षेत्रे कुरूक्षेत्रे (दूधनाथ सिंह), तिरिछ (उदयप्रकाश)

(व्याख्याएं कहानियों से नहीं पूछी जाएंगी।)

अनुशंसित ग्रंथ :

1 प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 प्रेमचंद : एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान,
3 उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी – त्रिभुवन सिंह
4 अज्ञेय का कथा साहित्य – ओम प्रभाकर
5 विवेक के रंग – देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
6 हिंदी उपन्यास – शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी
7 अधूरे साक्षात्कार – नेमिचन्द्र जैन
8 कहानी नयी कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9 कहानी आंदोलन की भूमिका – बलिराज पांडेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद

10 आज की हिंदी कहानी – विजय मोहन सिंह, दिल्ली
11 उपन्यास : स्थिति और गति– चंद्रकांत बॅड़दिवेकर
12 उपन्यास का इतिहास –गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13 यशपाल – कमला प्रसाद, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
14 दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
15 हिन्दी उपन्यास – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
16 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
17 नयी कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य – डॉ. रामकली सर्राफ
18 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
19. एकदुनिया समानांतर : राजेन्द्र यादव

सातवाँ प्रश्नपत्र
आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 4	× 10	=	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	– 4	× 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	– 10	× 1	=	10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी क्षेत्र का नवजागरण, भारतेन्दु और उनका मंडल, 19वीं शताब्दी की प्रमुख हिंदी पत्र–पत्रिकाएं, भारतेन्दुकालीन साहित्य की विशेषताएँ।
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, 'सरस्वती' और हिंदी नवजागरण, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।
3. हिंदी में गद्य विधाओं का उदय, उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध का विकास, प्रेमचंद और रामचंद्र शुक्ल का महत्व
4. छायावाद की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख छायावादी कवि
5. प्रगतिशील साहित्य की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख प्रगतिशील साहित्य, प्रयोगवाद और नयी कविता,

6.1 स्वातंत्र्योतर हिन्दी उपन्यास, नयी कहानी, अकहानी
6.2 समकालीन साहित्य
6.3 आधुनिक उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय

अनुशंसित ग्रंथ :

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2 हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3 हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
4 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।

6 हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
7 हिंदी नवगीत का संक्षिप्त इतिहास –अवधेश नारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी
8 इतिहास और आलोचना– नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
9 साहित्य और इतिहास दृष्टि –मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10 गद्य साहित्य : विकास और विन्यास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
12 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
13 साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह

आठवाँ प्रश्नपत्र

इस प्रश्नपत्र में मूल भाषाओं अथवा प्रादेशिक भाषाओं में से कोई एक लेनी होगी। प्रत्येक छात्र मूल भाषाओं–संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश में से कोई एक भाषा ले सकता है, किंतु जिसने इंटरमीडिएट या इससे ऊपर के पाठ्यक्रम में इनमें से कोई भी भाषा पढ़ी होगी वह उस भाषा को एम0 ए0 में नहीं ले सकेगा।

संस्कृत ×

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग' 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	'ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	'ग 1	=	10
					70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 रघुवंशम् : कालिदास (द्वितीय सर्ग)
2 पंचतंत्र (मित्र सम्प्राप्ति)
3 व्याकरण –

स्वर संधि – दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण् संधि, अयादि संधि।
व्यंजन संधि – अनुस्वार संधि, श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व।
विसर्ग संधि – सत्व, रुत्व, उत्व, विसर्ग लोप।
शब्द रूप – राम, हरि, गुरु, फल, बालिका।
सर्वनाम – अस्मद्, युष्मद्।
धातु रूप – भू, पठ्, लिख् (केवल लट्, लोट, लङ्, विधि लिङ्. और लृट्)
समास – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्वन्द्व, द्विगु और बहुव्रीहि।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर, वाराणसी
2. संस्कृत कवि दर्शन – भोलाशंकर व्यास, चौखम्भा, वाराणसी

पाठ्यांश :

1 राजशेखर – कर्पूरमंजरी (संपूर्ण)
2 गाथा सप्तशती – प्रथम 100 गाथाएं।
3 व्याकरण –
संधि – (स्वर संधि, व्यंजन संधि)
ध्वनि परिवर्तन – स्वर एवं व्यंजन संबंधी परिवर्तन।
शब्द रूप – पुलिंग – पुत, वाऊ, पिअर (पिउ)।
नपुंसक लिंग – फल, वहि, मुह
स्त्रीलिंग – माला रुई, वैणु, वूह
सर्वनाम – युष्मद्, अस्मद, तद् (तीनों लिंग में)
तद्धित – आलु, आल, हल्ल, उल्ल, त्त, त्तण, क, इव, मत्।
कृदन्त – सूर, तुम, अ, तण, तुआण, ता।
धातु रूप – वट्ट, हस, पठ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 प्राकृत प्रकाश (वररुचि) : सरयू प्रसाद अग्रवाल, ओरिएंटल बुक एजेन्सी, पूना।
2 प्राकृत साहित्य का इतिहास – जगदीश चन्द्र जैन
3 पालि–प्राकृत–अपभ्रंश–संग्रह – डॉ. रामअवध पाण्डेय

अपभ्रंश ✓ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4 ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 ग 1	=	10
				70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग (नामवर सिंह)– सरहपा, कण्हपा, देवसेन, जोइंदु, रामसिंह, अब्दुर्रहमान, सोमप्रभ, प्रबंध चिंतामणि, हेमचंद्र (छंद सं0 100 तक)।
2 अपभ्रंश भाषा एवं साहित्य के विकास का परिचय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग – नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
2 अपभ्रंश साहित्य – हरिवंश कोछड़
3 अपभ्रंश साहित्य और उसका हिन्दी पर प्रभाव –रामसिंह तोमर, हिंदी परिषद, इलाहाबाद
4 अपभ्रंश भाषा का अध्ययन – वीरेन्द्र श्रीवास्तव, एस0 चंद एण्ड कंपनी, दिल्ली।
5 पुरानी हिंदी – चंद्रधर शर्मा गुलेरी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
6 अपभ्रंश के धार्मिक मुक्तक और हिंदी संतकाव्य – सदानंद शाही, लोकभारती, इलाहाबाद।
7 पालि–प्राकृत–अपभ्रंश–संग्रह – डॉ. रामअवध पाण्डेय

1. ज्उपस ॅपिजलं ंनत ॅदोतपज रू ;ूकी छंदकंदए ठपींत तैजतं ठींॅ उपजपए च्जदं
2 . ।ठ॰ व ज्उपसए चंप छपसंलंउए डंकतें.1
3 .ज्उपस ब्नतेम वित म्तवचमंद ॅबीववस ज्ञमतेसंाम ंदक ।पअमतए ब्व्ैण् ठववा
4. ज्उपस ॅपिजलं । प्जपी इल च्नतंदंउ ॅवडॅनदकंतंउण

एम0 ए0 (हिंदी) द्वितीय वर्ष

नवाँ प्रश्नपत्र

आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग'	10	=	40	
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	'ग	5	=	20	
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	'ग	1	=	10	
						70	(पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. पृथ्वीराज रासो : चंदबरदाई : (सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह) शशिव्रता विवाह– आरंभ से 30 छंद
2. कीर्तिलता : विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह) केवल द्वितीय पल्लव
3. पदावली : विद्यापति (शिवप्रसाद सिंह) 20 पद (पद सं. 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10,16, 36, 51, 54, 63,68,79,81, 82, 94, 95, 102)
4. कबीर ग्रंथावली (सं. श्यामसुंदर दास)– साखी : विरह कौ अंग, कस्तुरिया मृग कौ अंग 20 पद (सं. 2, 3, 11, 18, 24, 39, 40, 41, 44, 51, 55, 59, 67, 69, 72, 92, 165,180, 186,249)
5. जायसी ग्रंथावली (सं0 रामचन्द्र शुक्ल)– सिंघलद्वीप वर्णन

अनुशंसित ग्रंथ :

1. पृथ्वीराज रासो की भाषा – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
3. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. कीर्तिलता और विद्यापति का युग – अवधेश प्रधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
6. जायसी – विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
7. सूफी मत : साधना और साहित्य – रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी
8. हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
9. नाथपंथ और संत साहित्य – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
10. संत साहित्य – राधेश्याम दुबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. चंदबरदाई – शांता सिंह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
12. जायसी – सं0 सदानंद शाही, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

13. कबीर की खोज – राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. पूरा कबीर –सं. बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
15. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ. शंभुनाथ पाण्डेय
16. कबीर–वाड्.मय : रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
17. कबीर–वाड्.मय : सबद – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
18. कबीर–वाड्.मय : साखी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
19. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. नागेन्दनाथ उपाध्याय
20. हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. वासुदेव सिंह
21. मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
22. बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
23. साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह
24. रैदास परिचई – डॉ. शुकदेव सिंह
25. कबीर और भारतीय संत साहित्य – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
26. भये कबीर कबीर – डॉ. शुकदेव सिंह

दसवाँ प्रश्नपत्र
सगुण भक्ति काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग' 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	'ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	'ग 1	=	10
					70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. भ्रमरगीत सार : सूरदास (सं. रामचन्द्र शुक्ल)– (7, 8, 23, 25, 34, 38, 41, 42, 52, 62, 64, 75, 83, 85, 89, 92, 95, 100, 101, 102, 103, 105, 111, 121, 171)
2. रामचरित मानस : तुलसीदास (गीता प्रेस संस्करण)– बाल कांड (दोहा 35 से 43), अयोध्याकांड (दोहा 252 से 269)
   कवितावली (गीता प्रेस संस्करण) : उत्तरकांड (सं. 39, 40, 47, 57, 69, 70, 71,72, 82, 83, 84, 85, 96, 97, 98, 99, 106, 107, 171, 174) (20)
3. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली (15 पद– मण थैं परस हरि रे चरण, तनक हरि, आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधर आगा नाच्या री, म्हांरा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग राँची, मैं गिरधर के घर जाऊं, माई री म्हॉ लियां गोविदाँ मोल, माई म्हाणे सुपणा माँ, थें मत बरजां माइरी, नहिं सुख भावै थारो देसलड़ों रंगरूड़ों, राणाजी म्हाने या बदनामी लागै मीठी, पग बांध घूँघर्‌या णाच्यारी, राणाजी थे जहर दिया म्हे जाणी, सखी म्हारी नींद नसाणी हो।
4 रसखान : (रसखान रचनावली –सं. विद्यानिवास मिश्र) 11, 17, 23, 24, 30, 32, 37, 59, 74, 75, 81, 103, 107, 116, 135

अनुशंसित ग्रंथ :

1 सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2 महाकवि सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली
3 सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई
4 गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5 गोसाईं तुलसीदास – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
6 तुलसी आधुनिक वातायन से –रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7 परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
8 भक्तिकाव्य और लोक जीवन – शिवकुमार मिश्र, दिल्ली
9 भक्तिकाव्य की भूमिका – प्रेमशंकर, नई दिल्ली
10 लोवादी तुलसीदास– विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11 भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद – राधेश्याम दुबे, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी
12 मीराबाई – श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, वाराणसी।
13 मीरा : एक पुनर्मूल्यांकन –सं. पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकूला
14 तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन –सं. अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला
15 रसखान – श्यामसुन्दर व्यास, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
16 मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र
भारतीय काव्यशास्त्र

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	10	=	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	× 1	=	10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1.1 काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय।
1.2 काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन
2 रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
3 ध्वनि सिद्धांत – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धान्त का महत्व।
4 अलंकार सिद्धांत – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धांत एवं अन्य सम्प्रदाय।
5 रीति सिद्धांत – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।
6.1 वक्रोक्ति सिद्धांत– वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व।
6.2 औचित्य सिद्धांत – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व।

अनुशंसित ग्रंथ

1 भारतीय साहित्यशास्त्र – गणेश–त्र्यंबक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना।
2 रसमीमांसा – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3 संस्कृत आलोचना – बलदेव उपाध्याय
4 रस प्रक्रिया – शंकरदेव अवतरे, दिल्ली
5 हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स – पी0 बी0 काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6 काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7 भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8 ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत – भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी
9 काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10 भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11 भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य–परम्परा – डॉ. राधाबल्लभ त्रिपाठी
12 ध्वन्यालोकः – आचार्य चण्डिका प्रसाद शुक्ल

बारहवाँ प्रश्नपत्र
आधुनिक भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	10	= 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	5	= 20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	×	1	= 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

(सभी मूल से हिन्दी में अनूदित कृतियां ही पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं। इनसे व्याख्याएं नहीं पूछी जाएगीं।)

उपन्यास :

1. गोरा : रवीन्द्रनाथ टैगोर
2. उदास नस्लें : अब्दुल्ला हुसैन
3. मछुआरे : तकषी शिवशंकर पिल्लै (मलयालम)
4. संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)

नाटक :

हयबदन : गिरीश कर्नाड (कन्नड़)

कविता :

1. रवीन्द्रनाथ टैगोर : अभिसार, धूलि मंदिर, भारत तीर्थ, मुक्ति
2. पाश : मैं अब विदा लेता हूँ मेरी माँ की आँखें, सबसे खतरनाक, धर्म दीक्षा के लिए विन्नयपत्र

3. वरवर राव : एक हाथ और दूसरा हाथ, तुम्हारे लिए मेरा ख़ामोशी में एक मौलिक संशोधन, अम्मा, आवाज़

4. फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ : सुब्हे आजादी, मुझसे पहली सी मुहब्बत मिरे महबूब न माँग, शाम, याद।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेन्डेन्स : सं. के. एस. आर. आयंगर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
2 कंपरेटिव लिटरेचर : नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3 भारतीय साहित्य : नगेन्द्र, साहित्य सदन, चिरगांव, झाँसी
4 भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी
5 भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
6 संस्कृति के चार अध्याय : दिनकर, उदयाचल, पटना
7 मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली
8 आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथ नखणे, राजकमल, दिल्ली

3. वरवर राव : एक हाथ और दूसरा हाथ, तुम्हारे लिए मेरा ख़ामोशी में एक मौलिक संशोधन, अम्मा, आवाज़

4. फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ : सुब्हे आजादी, मुझसे पहली सी मुहब्बत मिरे महबूब न माँग, शाम, याद।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेन्डेन्स : सं. के. एस. आर. आयंगर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
2 कंपरेटिव लिटरेचर : नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3 भारतीय साहित्य : नगेन्द्र, साहित्य सदन, चिरगांव, झाँसी
4 भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी
5 भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
6 संस्कृति के चार अध्याय : दिनकर, उदयाचल, पटना
7 मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली
8 आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथ नखणे, राजकमल, दिल्ली

तेरहवाँ प्रश्नपत्र
रीतिकाव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4 ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 ग 1	=	10
				70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. केशवदास (रीति काव्य धारा– सं. रामचंद्र तिवारी) : कविप्रिया (संपूर्ण अंश), रसिकप्रिया (संपूर्ण अंश)
2. बिहारी (सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) : दोहा सं0 1, 3, 6, 9, 14, 20, 27, 31, 35, 40, 41, 42, 43, 47, 56, 61, 76, 78, 85, 89, 96, 101, 107, 119, 123, 170, 183, 191,197ए 238, 241, 248, 270, 296, 305, 318, 326, 330, 340, 357, 368, 376, 388, 393, 395, 403, 414, 438, 451, 464 (50)
3. घनानंद (घनानंद कवित्त– सं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र) : छंद सं0 19, 25, 43, 44, 50, 68, 70,71, 75, 80, 82, 84, 86, 91, 94,(15)
4. देव (देव की दीपशिखा– सं. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन) : छंद संख्या 4, 5, 26, 33,37,40, 42, 47, 53, 60, 62, 64, 66, 68, 72, 73, 74, 86, 108, 118 (20)
5. सेनापति : (सं. उमाशंकर शुक्ल) पहली तरंग 27, 40, 79, 92

दूसरी तरंग 6, 7, 8, 12, 21
तीसरी तरंग 28,33,39, 46, 50, 56, 60, 61 (15)

6. गालिब : दीवान–ए– गालिब (10 गजलें)– दिले–ए– नादाँ तुझे हुआ क्या है,
हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी, दिल ही तो है ना संग ओ खिस्त,
बाज़ीचा ओ अत्फाल है दुनिया मेरे आगे, ये न थी हमारी क़िस्मत,
इश्क मुझको नहीं वहसत ही सही, ,न था कुछ तो खुदा था,
नक़्श फरयादी है, हर बात पे कहते हो, आह को चाहिए।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2 रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3 केशव का आचार्यत्व – विजयपाल सिंह, राजपाल एंड संस, दिल्ली
4 बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
5 घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा – मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
6 मध्युगीन काव्य प्रतिभाएँ – रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7 मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
8 रीतिकालीन वीर–काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन –डॉ. शिवनारायण सिंह

चौदहवाँ प्रश्नपत्र
पाश्चात्य साहित्य – सिद्धांत

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	10	=	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न		–	10	×	1 =	10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

(क) 30 अंक

1.1 प्लेटो – प्रत्यय सिद्धान्त, काव्य प्रेरणा, अनुकृति, काव्य पर आरोप।
1.2 अरस्तू – अनुकृति, विरेचन, त्रासदी, प्लेटो और अरस्तू।
1.3 लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा।
2. टी0 एस0 इलियट –परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निवैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण।
3.1 आई0 ए0 रिचर्ड्स – मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत।

(ख) 40 अंक

3.2 नई समीक्षा की प्रमुख अवधारणाएं।

4.1 मार्क्सवादी समीक्षा
4.2 यथार्थवाद
4.3 साहित्य का समाजशास्त्र
5. आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, शास्त्रीयतावाद (क्लासिसिज्म) और स्वच्छंदतावाद (रोमांटिसिज्म),
6. साहित्यिक शैली विज्ञान, संरचनावाद, विखण्डनवाद, उत्तर आधुनिकता, उत्तर औपनिवेशिकता का सामान्य परिचय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. लिटरेरी क्रिटिसिज्म –ए शॉर्ट हिस्ट्री : विम्डासाट विलियम्स के एंड क्लीन्थ बुक्स, लंदन।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. नई समीक्षा के प्रतिमान – निर्मला जैन, राजकमल, दिल्ली
4. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पांडेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद – डॉ. भागीरथ मिश्र
9. साहित्य का मूल्यांकन – डब्लू. बेसिल वर्सफोल्ड, अनु. डॉ. रामचन्द्र तिवारी
10. आलोचक का दायित्व – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
11. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
12. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
13. कृति चिंतन और मूल्यांकन संदर्भ – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र
हिंदी समीक्षा

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	10	= 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	5	= 20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न		–	10	× 1	= 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. रामचंद्र शुक्ल के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
3. नंद दुलारे वाजपेयी के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
4. रामविलास शर्मा के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
5. नामवर सिंह के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
6. अज्ञेय और मुक्तिबोध के साहित्य चिंतन का आकलन

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, दिल्ली
2. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल, दिल्ली
3. हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
4. आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य – शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद
5. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
7. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
8. साहित्य का नया शास्त्र – गिरिजा राय, इलाहाबाद
9. हिंदी काव्यशास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव – राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली
10. समकालीन हिन्दी आलोचना और आलोचना : रामबक्ष
11. नामवर की धरती : श्रीप्रकाश शुक्ल, आधार प्रकाशन, पंचकूला
12. नामवर विमर्श : सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली
13. नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परम्परा (सं. कमला प्रसाद), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. औरत :अस्तित्व और अस्मिता : अरविंद जैन, सारांश प्रकाशन, दिल्ली
15. आलोचक और आलोचना : कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकूला
16. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
17. आलोचक का दायित्व – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
18. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
19. कृति चिंतन और मूल्यांकन संदर्भ – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
20. साहित्य का मूल्यांकन – डब्लू. बेसिल वर्सफोल्ड, अनु. डॉ. रामचन्द्र तिवारी
21. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और समकालीन आलोचक – रामचन्द्र तिवारी
22. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : रामचन्द्र तिवारी
23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना कोश : रामचन्द्र तिवारी

सोलहवाँ प्रश्नपत्र
विशेष अध्ययन

नोट : इस प्रश्नपत्र से निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक का चयन विभागाध्यक्ष की अनुमति से करना होगा।

क साहित्यकार विशेष :

कबीर, जायसी, सूर, तुलसी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रेमचंद, प्रसाद, निराला, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, मुक्तिबोध, यशपाल, जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर, दिनकर, नागार्जुन, रेणु, भीष्म साहनी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह।

ख साहित्य–प्रवृत्ति विशेष : संतकाव्य, रीतिकाव्य, आधुनिक हिंदी साहित्य (1919–1947), स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा साहित्य, स्त्री अध्ययन और साहित्य , दलित अध्ययन और साहित्य ,सिनेमा और हिंदी साहित्य।

ग **भाषा परक एवं विविध :** हिन्दी भाषा शिक्षण, अनुवाद : सिद्धान्त एवं प्रयोग, प्रयोजनमूलक हिंदी, बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति, हिंदी पत्रकारिता : इतिहास–सिद्धान्त और प्रयोजन, हिन्दी नाटक एवं रंगमंच, हिन्दीतर एवं देशांतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य, भारतीय साहित्य, लोक साहित्य।

कबीर

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग	10	= 40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	ग	5	= 20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	ग	1	= 10
					70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

कबीर ग्रन्थावली : (सम्पादक : श्यामसुन्दर दास) नागरी प्र. स. काशी–निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग, चाणक कौ अंग, सुरा तन कौ अंग
कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (कबीर वाणी संपूर्ण)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. संत कबीर :रामकुमार वर्मा
2. कबीर साहित्य की परख : आ0 परशुराम चतुर्वेदी
3. कबीर : डॉ0 वासुदेव सिंह
4. बीजक की भाषा : शास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 शुकदेव सिंह
5. कबीर के सबद : डॉ0 शुकदेव सिंह
6. कबीर–मीमांसा : रामचंद्र तिवारी
7. कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायन
8. कबीर की खोज : राजकिशोर (सं.)
9. कबीर : पूर्ण मूल्यांकन : बलदेव वंशी (सं.)
10. कबीर : विजेन्द्र स्नातक (सं.)
11. बाज भी, कपोत भी, पपीहा भी : धर्मवीर
12. कबीर के आलोचक : धर्मवीर
13. भक्ति का सन्दर्भ: देवी शंकर अवस्थी
14. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : गोपेश्वर सिंह
15. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. सूफी मत : साधना और साहित्य – रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी।
17. हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी।

18 नाथ पंथ और संत साहित्य – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
19 संत साहित्य – राधेश्याम दुबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
20 कबीर की खोज – राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
21 पूरा कबीर –सं. बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
22 कबीर–वाड्.मय : रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
23 कबीर–वाड्.मय : सबद – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
24 कबीर–वाड्.मय : साखी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
25 गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
26 हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. वासुदेव सिंह
27 मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
28 बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
29 साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह
30 रैदास परिचई – डॉ. शुकदेव सिंह
31 कबीर और भारतीय संत साहित्य – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
32 भये कबीर कबीर – डॉ. शुकदेव सिंह

4. आज की अम्रपाली : सरला मुद्गल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. औरत होने की सजा : अरविन्द जैन, विकास पेपर बैक, दिल्ली
6. स्त्री के लिए जगह : सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. औरत के हक में : तसलीमा नसरीन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डे, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
9. समान नागरिक संहिता : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आधी जमीन : उपेन्द्रनाथ अश्क, नीलाभ प्रकाशन
11. दुर्ग द्वार पर दस्तक : कात्यायनी, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ
12. अश्लीलता पर हमला : सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
14. उठो अन्नपूर्णा साथ चलें : उषा महाजन, हिमांचल पुस्तक भंडार
15. चुकते नहीं सवाल : मृदुला गर्ग, सामयिक प्रकाशन
16. स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका, सारांश प्रकाशन, दिल्ली
17. स्त्री का समय : क्षमा शर्मा, मेधा बुक्स
18. हव्वा की बेटी : दिव्या जैन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
19. औरत : अस्तित्व और अस्मिता : अरविन्द जैन, सांराश प्रकाशन
20. स्त्री देह के विमर्श : सुधीश पचौरी, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
21. आदमी की निगाह में औरत : राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
22. बन्द गलियों के विरुद्ध : सं. मृणाल पाण्डे एवं क्षमा शर्मा
23. इक्कीसवीं सदी की ओर : सुमन कृष्णकान्त, राजकमल प्रकाशन
24. संघर्ष के बीच : संघर्ष के बीज : सं. इलीना सेन, सारांश प्रकाशन
25. विद्रोही स्त्री : जर्मेन ग्रियर, अनु. मधु. बी. जोशी, राजकमल प्रकाशन
26. नारीवादी विमर्श : राकेश कुमार, आधार प्रकाशन, पंचकूला
27. न्याय क्षेत्रे : अन्याय क्षेत्रे : अरविन्द जैन, राजकमल प्रकाशन
28. जीवन की तनी डोर पर ये स्त्रियाँ : नीलम कुलश्रेष्ठ, मेधा बुक्स
29. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार (अनुवाद), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
30. स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य : क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन
31. स्वागत है बेटी : विभा देवसरे, मेधा बुक्स
32. हम सभ्य औरतें : मनीषा, सामयिक प्रकाशन
33. उपनिवेश में स्त्री : प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन
34. परिवार निजी संपत्ति और राज्य की उत्पत्ति : फ्रेडरिक एंगेल्स, प्रकाशनसंस्थान
35. ओ उब्बीरी : मृणाल पाण्डे, राधाकृष्ण प्रकाशन

दलित अध्ययन और साहित्य

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	10 ×	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	5 ×	20	
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	× 1 =	10	

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. वर्ण व्यवस्था में शूद्र, प्राचीन भारत में शूद्रों की सामाजिक–आर्थिक भागीदारी, सामंतवादी समाज में जाति व्यवस्था, शूद्र वर्ण में जातियों का महाजाल और स्तर भेद, स्वतंत्रता संघर्ष और नवजागरण में दलित प्रश्न, अंबेडकर के कांतिकारी प्रयास, शूद्र हरिजन या दलित, दलित : वर्ग या वर्ण, आधुनिकता और दलित।
2. भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार, दलित मध्यवर्ग का उभार, दलित नवजागरण, भारतीय लोकतंत्र में दलित राजनीति, दलित स्त्रियाँ, दलित वैचारिकी।
3. भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य, दलित मुक्ति आन्दोलन और भक्ति साहित्य, दलित साहित्य के लिए वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र, दलित साहित्य की अवधारणा, दलित साहित्य के मुख्य सरोकार, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, प्रेमचंद और निराला का दलित समाज संबंधी साहित्य।
4. आत्मकथायें – जूठन (ओमप्रकाश वाल्मीकि), अपने अपने पिंजरे (मोहनदास नैमिशराय), तिरस्कृत (सूरजपाल चौहान)
5. पाठ : दलित वैचारिकी का आधार : – ज्योतिबा फूले, बी. आर. अंबेडकर, कांशीराम
6. कहानियाँ : दलित कहानी संचयन (सं. रमणिका गुप्ता)।

नोट : प्रथम तीन इकाइयों से तीस अंक एवं अंतिम तीन इकाइयों से चालीस अंकों के प्रश्न पूछे जाएँगे। व्याख्यायें नहीं पूछी जाएँगी।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले
2. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि
3. दलित डायरी : चन्द्रभान प्रसाद
4. कबीर के आलोचक : डॉ. धर्मवीर
5. कबीर के कुछ और आलोचक : डॉ. धर्मवीर
6. सूत न कपास : डॉ. धर्मवीर
7. कबीर और रामानंद : किंवदन्तियां : डॉ. धर्मवीर
8. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी का प्रक्षिप्त चिंतन और संत रैदास का निवर्ण सम्प्रदाय : डॉ. धर्मवीर
9. कबीर : बाज भी कपोत भी पपीहा भी : कंवल भारती
10. संत रैदास का विश्लेषण : डॉ. धर्मवीर
11. लोकतंत्र में भागीदारी का सवाल और दलित साहित्य की भूमिका : जयप्रकाश कर्दम
12. दलित साहित्य में सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना : श्योराज सिंह बेचैन
13. हिन्दी दलित पत्रकारिता पर अम्बेडकर का प्रभाव : श्योराज सिंह बेचैन
14. हिन्दी उपन्यासों में दलित वर्ग : कुसुम मेघवाल
15. इक्कीसवीं सदी में अम्बेडकर : डॉ. रघुवीर सिंह
16. दलित कहाँ जायें : जियालाल आर्य
17. दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में : डॉ. चमनलाल
18. स्वतंत्रता संग्राम के दलित कांतिकारी : मोहनदास नैमिशराय
19. दलित साहित्य रचना और विचार : पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी

20. आज का दलित साहित्य : डॉ. तेज सिंह
21. चिंतन की परम्परा और दलित साहित्य : डॉ. श्योराज सिंह बेचैन, डॉ. देवेन्द्र चौबे
22. दलित दखल : (सं.) डा. श्योराज सिंह बेचैन, डॉ. रजत रानी मीनू
23. धर्मांतरण और दलित : (सं.) जयप्रकाश कर्दम
24. दलित विमर्श : सन्दर्भ गाँधी : गिरिराज किशोर
25. दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद : (सं.) सदानंद साही